फरीदाबाद
मजदूर समाचार
अनुभवों तथा विचारों के आदान-प्रदान के जरियों में एक जरिया

व्हाट्सएप के जरिये भी अपनी बातें हम तक पहुँचा कर चर्चा का दायरा बढायें। मजदूर समाचार फोन पर पायें और अपने ग्रुपों में भेज कर आदान-प्रदान बढायें। हमारे इस नम्बर पर व्हाट्सएप मैसेज भेजें : 9643246782

नई सीरीज नम्बर 367 जनवरी 2019

नया, नये सिरे से

हमारे एक साथी हैं जो काम करते-करते बोलते रहते हैं :
बढ गई ! बढ गई ! बढ गई ! बढ गई ! बढ गई !

मैनेजर तो पागल हो जाते होंगे। क्या सोचते हैं वो ?

उसको पूछ नहीं पाते। कभी-कभी लाइन पर हम सब भी उसके साथ जुड़ जाते हैं। बढ गई ! बढ गई ! बढ गई का कोलाहल।

मैनेजर तो बढाओ - बढाओ - बढाओ करके प्रमोशन लिया है। वो भला कैसे रोकेगा बढ गई की आवाज।

बढ गई शब्द बहुत अच्छे हैं यार। यह कुछ इच्छा और इच्छा की पूर्ति लिये हैं।

बढ गई में मात्रा भी है और गुण भी है। और बढ गई का कोलाहल सब के बीच गुणों का विस्फोट कर देता है।

यह बात तो है। जीवन के साधन और उनकी मात्रा की बात तो है।

अचम्भा भी है कि इतनी बहुतायत में धन-सम्पदा के बावजूद जीवन के साधनों पर खींचातान हर वक्त।

बढ गई ! बढ गई ! बढ गई ! बढ गई ! बढ गई !

जीवन के साधनों के गुणों की बात भी है। कैसी नाली, कैसा टॉयलेट, कैसी जगह नाचने की, कैसे साँझा चूल्हे, कैसी चाय की दुकान, कैसी बस की सीट।

आनन्द का विस्फोट। जब यह बढ गया, बढ गया शब्द माहौल में गूँजता है तब बहुत-सारे साधन अपने गुणों को व्यक्त करते हैं। जैसे कि समय एक साधन के तौर पर उभर कर आता है।

समय साधन किसका है ?

प्रोडक्शन में तो साधन है। ड्युटी टाइम याद है न। मशीन लगातार चलनी चाहिये अपनी रफ्तार से। यहाँ तो समय साधन है ही।

तो क्या ? लेकिन मेरी बात तो सुनो। समय तो खाद भी है और बंजर भी है। हमें ये समय चाहियें।

मैं यहाँ पर कहना चाहती हूँ कि एक कहावत है कि किसी समाज की गुणवत्ता, उसकी क्वालिटी इसमें है कि उसमें जीवन को मात्र बनाये रखने के लिये कितना कम से कम समय दिया जाता है और जीवन को निखारने तथा तीव्र मिश्रण के लिये कितना अधिक समय है।

मेला करना ? गड्डमड्ड बढाना ? हमारी गली में जो एक खुली जगह है उसका सौभाग्य है कि हर दिन किसी न किसी के जीवन के उत्सव को जीती है।

बढ गई ! बढ गई ! बढ गई ! बढ गई ! बढ गई !

मुझे ना एक साथी की बात याद आई। वो बोल रही थी कि क्रूर बुद्धि इस समाज के जीवन उत्सव में बाधक है। बहुत सटीक ढँग से उन्होंने कहा : यह समाज वध-पूजकों का है। न्याय और तर्क से चकरा जाती है क्रूर बुद्धि।

सच बात। भाषा में तर्क और न्याय खत्म करने के बहुत उपाय हैं। तनखा काट दो, जुर्माना लगा दो, निकाल दो, पिटवा दो, कुचल दो, मार दो। सब वध की भाषा है। अरि हन्त की भाषा है।

मुझे लगता है कि यह भाषा अपने अंश को ही अन्य बना कर, पराया बना कर काटने की भाषा है।

एक युवा छात्रा ने स्वयं से एक बहुत सुन्दर प्रश्न किया। उन्होंने अपने आप से पूछा कि मैं अपने दिमाग में दूसरों से सिर्फ सवाल-जवाब की भाषा में ही क्यों सोच पाती हूँ ? एक बराबरी के संवाद की छवि क्यों नहीं उभार पाती ?

वो जो हम लोग समय के गुण की बात कर रहे थे ना उसमें ही पेंच है। समय की सोच में ही दुनिया में एक विभाजन है।

जीवन को बनाये रखने के दायरे में जब आप रहते हैं अथवा किसी को देखते हैं तब सवाल-जवाब।

जीवन की गुणवत्ता को निखारने के दायरे में जब रहते हैं अथवा किसी को देखते हैं तब संवाद।

बढ गई ! बढ गई ! बढ गई ! बढ गई ! बढ गई !

मजदूर लाइब्रेरी, आटोपिन झुग्गी, एन. आई. टी. फरीदाबाद - 121001 (यह जगह बाटा चौक और मुजेसर के बीच गंदे नाले की बगल में है।)

करना होता है, मिल कर ही कर सकते हैं

कागज पर कुछ बातें : समान काम, समान वेतन। स्थाई काम, स्थाई नौकरी। ओवर टाइम का भुगतान दुगुनी दर से। और, व्यवहार में व्यापक हैं : समान काम, असमान वेतन। स्थाई काम, अस्थाई नौकरी। ओवर टाइम का भुगतान ही नहीं, सिंगल रेट से भी कम, सिंगल रेट से।

सरकार के आदेश, सुप्रीम कोर्ट के आदेश, अधिकारियों की एडवाइजरी, नेता-मन्त्री के भाषण। दिल्ली में 1 नवम्बर 2018 का न्यूनतम वेतन आर्डर भी वहीं लागू हुआ है जहाँ मजदूरों ने तालमेल बढा कर लागू करवाया है। जहाँ वरकर आपस में तालमेल बढा रहे हैं वहाँ कम्पनियाँ पीछे हट रही हैं।

✶ **पुनियानी इन्टरनेशनल** (बी-114 ओखला फेज-1) लैदर फैक्ट्री में कई बार मिल कर कदम उठा चुके मजदूरों ने 14 हजार-17 हजार ग्रेड लागू करवा लिया है।

✶ **एस के बेरी एण्ड सन्स** (बी-119 ओखला फेज-2) फैक्ट्री में आपस में लगातार बढाते तालमेलों द्वारा वरकरों ने नवम्बर से न्यूनतम वेतन लागू करवा लिया है। ✶ **थॉमसन प्रेस** (बी-315 ओखला फेज-1) में काम बन्द कर आश्वासन पाये मजदूरों ने ग्रेड लागू करवा लिया है। लेकिन कुशल को अर्ध-कुशल वाला और अर्ध-कुशल को अकुशल वाला। दो शिफ्ट हैं 12-12 घण्टे की। जो 10-12 परमानेन्ट मजदूर हैं उन्हें ओवर टाइम का भुगतान दुगुनी दर से और ठेकेदार कम्पनी के जरिये रखे 50-60 वरकरों को सिंगल रेट से। ✶ **पाइपिंग एण्ड एनर्जी** (जैड-18 ओखला फेज-2) वरकरों ने ग्रेड लागू करवा लिया है। ✶ **रेडीक्यूरा** (बी-113 ओखला फेज-1) दवाई फैक्ट्री में मजदूरों ने ग्रेड लागू करवाया लेकिन दो नये वरकरों की तनखा 8000 रुपये ही। ✶ **अलाइड इन्टरप्राइजेज** (सी-74 ओखला फेज-1) में मजदूरों ने ग्रेड लागू करवा लिया है। ✶ **कुमार मोटर** (बी-281 ओखला फेज-1) में वरकरों ने ग्रेड लागू करवा लिया है।

न्यूनतम वेतन लागू करवाने को प्रयासरत हैं :

✶ **जे के ऑफसैट प्रेस** (बी-278 ओखला फेज-1) में हैल्पर की तनखा 7200 रुपये, इंकमैन की 9500, और ऑपरेटरों की 13 से 18 हजार रुपये। शिफ्ट 12 घण्टे की, ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से भी कम। ई एस आई तथा पी एफ 100 मजदूरों में कुछ की ही। चैकिंग वालों को : आज ही आये, 650 रुपये दिहाड़ी पर....... ✶ **डी एच एल कूरियर** (ओखला फेज-2) में 150 वरकर कोशिशें कर रहे हैं। ✶ **पुष्पक प्रेस** (ओखला फेज-1 तथा फेज-2) में हैल्परों की तनखा 7-8 हजार और ऑपरेटरों की 12-13 हजार रुपये। मजदूरों के दबावों से बौखलाया साहब : "बन्द कर देंगे, लागू नहीं करेंगे।" ✶ **साइन सुत्रा** (डी-8/2, 8/3 ओखला फेज-2) में ई एस आई नहीं, पी एफ नहीं। प्रतिदिन साढे ग्यारह घण्टे ड्युटी पर 30-31 दिन के हैल्परों को 10,500 रुपये और कारीगरों को 12-14 हजार रुपये।

✶ **महिन्द्रा एण्ड महिन्द्रा वर्कशॉप** (बी-24 ओखला फेज-1) में 250 वरकर प्रयासरत हैं। ✶ **दादा स्क्रिनिंग** (बी-85 ओखला फेज-1) **ट्रिपल ए मारुति सर्विस सेन्टर** (बी-25 ओखला फेज-1) के मजदूर कोशिशों में लगे हैं। ✶ **एस पी ए** (बी-17/3 ओखला फेज-2) में 12-12 घण्टे की शिफ्टों में किताबें छापते वरकरों की ई एस आई तथ पी एफ 14-16 हजार रुपये वेतन पर लेकिन हैल्पर की तनखा 9500 रुपये और ऑपरेटर की 12-13 हजार। ✶ **प्लास्टिक फैक्ट्री** (बी-219 ओखला फेज-1) में हैल्परों की तनखा 7000 रुपये। आसपास चैकिंग की चर्चा पर बाहर ताला लगा कर अन्दर काम। ✶ **इलेक्ट्रोनिक्स फैक्ट्री** (बी-121 ओखला फेज-1) में ई एस आई नहीं, पी एफ नहीं, तनखा 7000-8000 रुपये। ✶ **गारमेन्ट्स फैक्ट्री** (बी-18/1 ओखला फेज-2) ✶ **इलेक्ट्रोनिक्स फैक्ट्री** (बी-86 ओखला फेज-2) में मजदूर दबाव बढा रहे हैं। ✶ **एस एम एस एक्सपोर्ट** (सी-174 ओखला फेज-1) फैक्ट्री में कटिंग और फिनिशिंग। सिलाई कम्पनी की डी-28 ओखला फेज-1 और डब्लू-7, 8 ओखला फेज-2 फैक्ट्रियों में। महिला मजदूरों की तनखा 6000 रुपये और उनकी नाइट भी लगती है, सुबह साढे नौ से रात साढे बारह बजे तक। डरी मैनेजमेन्ट जब-तब सब वरकरों को बाहर निकाल कर ताला बन्द कर देती है और 10 दिसम्बर को एक मजदूर को नौकरी से निकाला। ✶ **अबोट हैल्थ केयर** (सी-39, 40 ओखला फेज-2) में नवम्बर में ग्रेड लागू नहीं किया लेकिन 150 वरकरों द्वारा दबाव बढाने पर दिसम्बर से लागू करने की बात। ✶ **ट्रुशाइन इलेक्ट्रोनिक्स** (बी-17/2 ओखला फेज-2) के वरकर दबाव बढाने के तरीकों पर चर्चा कर रहे हैं। ✶ **अर्चना ऑफसैट प्रेस** (सी-78 ओखला फेज-1) वरकरों की नवम्बर की तनखा बैंक द्वारा देने की बजाय नगद देने लगे। मजदूरों ने कैश लेने से इनकार कर दिया।

और बातें यह भी

✶ **मिलेनियम टैक्नो** (10 सैक्टर-7, आई एम टी मानेसर) फैक्ट्री में 300 मजदूरों को 12 घण्टे रोज ड्युटी पर 26 दिन के 12,000 रुपये। और इन 12 हजार में से ई एस आई तथा पी एफ राशि काटते हैं। फैक्ट्री में पीने के पानी की दिक्कत, हाथ धोने को साबुन नहीं, सुपरवाइजर द्वारा गाली।

✶ **भारत इन्टरप्राइजेज** (98 और 189 उद्योग विहार फेज-1, गुड़गाँव) फैक्ट्रियों में चमड़े के महँगे जैकेट, बेल्ट, बैग, जूते बनाते 500 मजदूरों में करीब 350 को पाँच-छह ठेकेदार कम्पनियों के जरिये रखा है। इन वरकरों की ई एस आई नहीं, पी एफ नहीं, और इन्हें बोनस नहीं। जो 150 परमानेन्ट मजदूर हैं उनसे रिजाइन ले कर, कार्ड बदल कर, उनकी नई जोइनिंग चलती रहती है — ग्रेच्युटी नहीं देते। ओवर टाइम का भुगतान 2014 तक दुगुनी दर से था, 2015 से सिंगल रेट से कर दिया है। दोनों फैक्ट्रियों में कैन्टीन है और भोजन ठीक है।

✶ **एशियाड इंजीनियरिंग वर्क्स** (68 सैक्टर-6 फरीदाबाद) फैक्ट्री में 200 मजदूर **एस्कोर्ट्स फार्मट्रैक** ट्रैक्टरों के फ्युअल टैंक, पैनल आदि बनाते हैं। फैक्ट्री में 32 पावर प्रैस हैं, सैन्सर नहीं हैं, एक्सीडेन्ट होते हैं इसलिये तत्काल ई एस आई लागू कर देते हैं लेकिन पी एफ एक साल काम करते हो जाता है तब लागू करते हैं। सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन नहीं : हैल्परों की तनखा 8000 रुपये और ऑपरेटरों की 8500 रुपये। दो शिफ्ट हैं 12-12 घण्टे की, ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से। और, शनिवार को रात 9 बजे से ड्युटी करने वालों को रविवार को साँय साढे पाँच तक काम करना। लगातार 20 घण्टे से ज्यादा ड्युटी में कम्पनी रोटी के लिये पैसे नहीं देती। कम्पनी की दूसरी फैक्ट्री एन एच-5 में है जहाँ **मारुति सुजकी** वाहनों के पुर्जे बनते हैं।

✶ **लखानी फुटवीयर** (130 सैक्टर-24 फरीदाबाद) फैक्ट्री में 17 नवम्बर को मजदूरों ने का बन्द किया। पन्द्रह मिनट में मैनेजमेन्ट अक्टूबर की तनखा बैंक खातों में भेजने को तैयार हो गई।

बोनस का गबन

— **एस्कोर्ट्स ग्रुप** की सब फैक्ट्रियों में ठेकेदार कम्पनियों के जरिये मजदूर रखे गये हैं। इन वरकरों को बोनस नहीं दिया।

— **यामाहा मोटर** की फरीदाबाद फैक्ट्री में कुछ टेम्परेरी वरकरों को बोनस दिया। लेकिन ठेकेदार कम्पनियों के जरिये रखे मजदूरों को बोनस नहीं दिया।

— **भारतीय इलेक्ट्रिक (कटलर हैमर)** फैक्ट्री में ठेकेदार कम्पनियों के जरिये रखे 1200 मजदूरों को बोनस नहीं दिया।

— **प्रणव विकास** फैक्ट्री में परमानेन्ट मजदूरों को 20 प्रतिशत बोनस दिया और ठेकेदार कम्पनियों के जरिये रखे वरकरों को बोनस नहीं दिया।

मजदूरों के बोनस के गबन में कौन-कौन शामिल हैं ?

ओरियन्ट पँखे बनाने वाली फैक्ट्री में ठेकेदार कम्पनियों के जरिये रखे मजदूरों ने बोनस लेना कैसे शुरू किया इस पर वरकरों में आपस में चर्चायें मददगार होंगी।

सुरक्षा–असुरक्षा का क्रूर खेल

✶**मारुति सुजुकी** और **डेन्सो** की हिस्सेदारी वाली, वाहनों के ए सी बनाती **सुबरोस** कम्पनी की नोएडा, मानेसर, पुणे, चेन्नै, साणंद, और फरीदाबाद में फैक्ट्रियाँ हैं। सुबरोस की 395-96 सैक्टर-8, आई एम टी मानेसर फैक्ट्री से मार्च 2018 में मैनेजमेन्ट ने **24 सेक्युरिटी** का ठेका खत्म कर दिया और **जी डी एक्स सेक्युरिटी** को गार्ड सप्लाई करने का ठेका दिया। गार्डों की 12-12 घण्टे की दो शिफ्ट हैं और 6 बजे की शिफ्ट के लिये साढे पाँच पहुँचना अनिवार्य है : ब्रीफिंग, 15 मिनट लेफ्ट-राइट, वर्दी-दाढी जाँच। गार्ड छूटते सवा छह बजे हैं। गार्ड की फिंगर पंच है और रजिस्टर में भी हाजिरी 6 से 6 की लगाते हैं। लेकिन रिकार्ड वाले रजिस्टर में ड्युटी 8 घण्टे की। जाँच वालों के आने का पहले ही पता होता है, 12 घण्टे ड्युटी वाले गेटवाले रजिस्टर छिपा देते हैं। वर्दी के 1800 रुपये, जैकेट के 800, स्वेटर के 400, और पुलिस जाँच के 300 रुपये भर्ती के लिये गार्ड से लेते हैं। यह 3300 रुपये 6 महीने में तनखा से काटते हैं और इनकी जमानत के तौर पर गार्ड के मूल प्रमाण-पत्र रखते हैं। जी डी एक्स सेक्युरिटी ने 10 कमरे किराये पर ले रखे हैं, एक कमरी में 4 गार्ड। प्रत्येक गार्ड की पे-स्लिप में 1200 रुपये कमरे के किराये के तौर पर काटते हैं, कोई गार्ड उन कमरों में रहे चाहे न रहे। और, एक कमरे का किराया 3000 रुपये है। गार्डों के एतराज पर 31 दिसम्बर को कमरे खाली करने की बात। गार्ड को महीने में तीन छुट्टी की बात है लेकिन छुट्टी का पहले नहीं बताते। ड्युटी पहुँचने पर जिस दिन गार्ड एक्स्ट्रा हो जाते हैं उस रोज यह-वह कमी निकाल कर कुछ को वापस भेज देते हैं और इसे छुट्टी बना देते हैं। ई एस आई, पी एफ, कमरे का किराया, कैन्टीन के पैसे काट कर गार्ड को 12 घण्टे रोज ड्युटी पर 27-28 दिन के 12,665 रुपये। और, नवम्बर की तनखा 13 दिसम्बर को बैंक खातों में पहुँची तो हर गार्ड ने पाया कि तनखा काफी कम है। पूछने पर पता चला कि सुबरोस मैनेजमेन्ट ने गार्ड कम बता कर जी डी एक्स सेक्युरिटी के नवम्बर में 56 हजार रुपये काट लिये थे। जी डी एक्स ने 40 गार्डों में हरेक की तनखा से पैसे काट कर 56 हजार रुपये पूरे किये थे। अगले दिन, 14 दिसम्बर को सुबह साढे पाँच बजे ड्युटी के लिये पहुँचे गार्ड फैक्ट्री के बाहर खड़े हो गये। सुबरोस मैनेजेन्ट में हड़कम्प मच गई और कम्पनी सेक्युरिटी इनचार्ज ने गार्डों को एक मिनट में अन्दर आने का आदेश दिया। सब गार्ड बाहर ही रहे। फिर जी डी एक्स का सेक्युरिटी अफसर बोला कि अन्दर खड़े हो जाओ, सुबरोस कम्पनी का सेक्युरिटी इनचार्ज आ रहा है। सब गार्ड बाहर ही खड़े रहे। आधे घण्टे में साहब आया और बोला, ''अन्दर चलो। बात करेंगे।'' गार्ड अन्दर हो गये तो प्लान्ट हैड से बात करने साहब गया और लौट कर बोला, ''पैसे काटने की हम से हजार बार कहते। हम दिलवाते। स्ट्राइक किये हो। गलत किया है......''

✶**एस आई एस सेक्युरिटी** द्वारा उद्योग विहार, गुड़गाँव में सप्लाई किये गार्डों की 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में ड्युटी। साप्ताहिक अवकाश नहीं। प्रतिदिन 12 घण्टे ड्युटी और महीने के हर रोज ड्युटी पर ई एस आई तथा पी एफ राशि काट कर गार्ड के बैंक खाते में 12 हजार रुपये भेजते हैं। यह पैसे भी बहुत देरी से भेजते हैं, महीने की 27-28 तारीख को।

एस आई एस सेक्युरिटी द्वारा दिल्ली में ओखला औद्योगिक क्षेत्र की फैक्ट्रियों और फ्रैन्ड्स कॉलोनी की कोठियों को सप्लाई किये गार्डों की 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में ड्युटी। दिल्ली में सुप्रीम कोर्ट द्वारा 1 नवम्बर 2018 से निर्धारित न्यूनतम वेतन इन गार्डों को नहीं दिया है। कुछ गार्डों की तो नवम्बर 2018 की तनखा जनवरी 2019 के आरम्भ तक उनके बैंक खातों में नहीं भेजी गई थी। और जिन गार्डों की नवम्बर की तनखा भेजी है उन्हें ई एस आई तथा पी एफ राशि काट कर प्रतिदिन 12 घण्टे ड्युटी पर 30 दिन के 11-12 हजार रुपये भेजे हैं।

✶**डी पी एस सेक्युरिटी** (कार्यालय शंकर चौक, गुड़गाँव) द्वारा सप्लाई किये जाते गार्डों की 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में ड्युटी। साप्ताहिक अवकाश नहीं। ई एस आई तथा पी एफ बहुत ही कम गार्डों की। प्रतिदिन 12 घण्टे और 30-31 दिन के गार्ड को 8000 से 11000 रुपये।

✶**एस एल वी सेक्युरिटी** द्वारा आई एम टी मानेसर में फैक्ट्रियों को सप्लाई गार्डों की ड्युटी 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में। साप्ताहिक अवकाश नहीं। ई एस आई तथा पी एफ राशि काट कर गार्ड को प्रतिदिन 12 घण्टे और 30-31 दिन ड्युटी के 12-13 हजार रुपये। ✶**ए पी एस सेक्युरिटी** द्वारा सप्लाई किये गार्ड को रोज 12 घण्टे ड्युटी पर 30-31 दिन के 11 हजार रुपये, ई एस आई तथा पी एफ काट कर। ✶**जे एम एम पावर सेक्युरिटी** (कार्यालय लाजपतनगर, दिल्ली) ने गार्डों को दिल्ली में नवम्बर 2018 की तनखा के चेक जनवरी 2019 के आरम्भ तक नहीं दिये थे। ✶**24 सेक्युरिटी** ने दिल्ली में मोहन को-ऑप इन्डस्ट्रीयल एस्टेट में **रोहन मोटर** को 25 गार्ड सप्लाई किये हैं। इन गार्डों को नवम्बर में प्रतिदिन 12 घण्टे ड्युटी पर 30 दिन के 12,500 रुपये दिये हैं, ई एस आई तथा पी एफ काट कर। वैसे, सुप्रीम कोर्ट के आदेश अनुसार दिल्ली में गार्ड को 8 घण्टे रोज ड्युटी पर 26 दिन के कम से कम 15,400 रुपये....

साझेदारी

✶आई एम टी मानेसर, उद्योग विहार गुड़गाँव, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, नोएडा, फरीदाबाद में मजदूर समाचार का वितरण हर महीने होता है।

✶ मजदूर समाचार के वितरण के दौरान फुरसत से बातचीत मुश्किल रहती है। इसलिये मिलने-बातचीत के लिये पहले ही सूचना देने का सिलसिला आरम्भ किया है। चाहें तो अपनी बातें लिख कर ला सकते हैं, चाहें तो समय निकाल कर बात कर सकते हैं, चाहें तो दोनों कर सकते हैं।

— मंगलवार, 29 जनवरी को सुबह 6 बजे से 9½ तक आई एम टी मानेसर में सैक्टर-3 में बिजली सब-स्टेशन के पास मिलेंगे। खोह गाँव की तरफ से आई एम टी में प्रवेश करते ही यह स्थान है। जे एन एस फैक्ट्री पर कट वाला रोड़ वहाँ गया है।

— उद्योग विहार, गुड़गाँव में फेज -1 में पीर बाबा रोड़ पर oksMkQksu fcfYMax dsi kl l keokj] **28 जनवरी को सुबह 7 से 10 बजे तक बातचीत के लिये रहेंगे। यह जगह पेड़ के नीचे चाय की दुकान के सामने है।**

— बुधवार, 30 जनवरी को सुबह 7 से 10 बजे तक चर्चा के लिये ओखला-सरिता विहार रेलवे क्रॉसिंग (साइडिंग) पर उपलब्ध रहेंगे।

✶ फरीदाबाद में जनवरी में हर रविवार को मिलेंगे। सुबह 10 से देर साँय तक अपनी सुविधा अनुसार आप आ सकते हैं। फरीदाबाद में बाटा चौक से थर्मल पावर हाउस होते हुए रास्ता है। ऑटोपिन झुग्गियाँ पाँच-सात मिनट की पैदल दूरी पर हैं।

फोन तथा व्हाट्सएप के लिये नम्बर : 9643246782

ई-मेल < majdoorsamachartalmel@gmail.com >

सूचना

मजदूर समाचार के कई पाठक बहुत सारी प्रतियाँ स्वयं बाँटने के लिये लेते हैं। इससे वितरण नई-नई जगहों और सन्दर्भों में हो रहा है। आप हम से मिल कर अथवा व्हाट्सएप या फोन द्वारा सम्पर्क कर वितरण के लिये मजदूर समाचार की प्रतियाँ जरूर लें।

मजदूर समाचार में योगदान

- ✶ अपने कदम और अपने साथियों के कदमों की जानकारियाँ सामुहिक करें।
- ✶ चर्चाओं में योगदान के लिये बाँटने वालों से प्रतियाँ ले जायें।
- ✶ फुर्सत मिले तो किसी भी रविवार को मजदूर लाइब्रेरी में आ कर विस्तार से जीवन चर्चा करें।
- ✶ आर्थिक सहयोग का मन हो तो जरूर दें। ज्यादा से ज्यादा छपने की क्षमता वाद-विवाद को फैलायेगी। इस योगदान में कोई भी राशि कम नहीं है।
- ✶ व्हाट्सएप पर खुल कर मैसेज भेजिये, हम जम कर पढ रहे हैं और बातों को फैला रहे हैं।
- ✶ आज मजदूर समाचार के पाठक अखबार में कविता, फलसफा, दर्शन, साहित्य और ज्ञान-चर्चा के विभिन्न रूप का आनन्द ले रहे हैं। आनन्द को उल्लास में बदलिये।

अनुभव से सीख कैसे बोलें और कैसे नहीं बोलें

ओखला औद्योगिक क्षेत्र, दिल्ली में प्लॉट बी-294 फेज-1 स्थित **इन्टरव्यू फैशन** गारमेन्ट्स फैक्ट्री में लगभग पौने दो सौ मजदूर काम करते हैं। सब वरकर कम्पनी ने स्वयं रखे हैं, ठेकेदार कम्पनियों के जरिये किसी को नहीं रखा है। मैनेजमेन्ट जिन 35-40 को परमानेन्ट मजदूर कहती है उनकी ई एस आई तथा पी एफ हैं। और, आठ-दस वर्ष से इन्टरव्यू फैशन फैक्ट्री में काम कर रहे करीब 150 को मैनेजमेन्ट कैजुअल वरकर कहती है। फैक्ट्री में प्रवेश करते ही ई एस आई तथा पी एफ के प्रावधान लागू करने के कानून कम्पनियों की अपनी सरकार के हैं लेकिन इन्टरव्यू फैशन फैक्ट्री में 150 की ई एस आई नहीं, पी एफ नहीं। फैक्ट्री में सैम्पलिंग टेलर और फिनिशिंग वरकर हैं। फैब्रिकेटरों द्वारा सिलाई के बाद वस्त्र फैक्ट्री आते हैं।

मार्च 2017 में दिल्ली सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन में वृद्धि को इन्टरव्यू फैशन कम्पनी ने लागू नहीं किया। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद 1 नवम्बर 2018 से निर्धारित न्यनतम वेतन को भी इन्टरव्यू मैनेजमेन्ट ने लागू नहीं किया। नवम्बर 2018 की तनखा कम से कम 14,000-15,400-16,962 रुपये की जगह इन्टरव्यू फैशन फैक्ट्री में जिन 150 मजदूों की ई एस आई तथा पी एफ नहीं हें उन्हें 7000-7500-8000-8500 रुपये दिये। और जिन 35-40 वरकरों की ई एस आई तथा पी एफ हैं उन्हें 8000-9000 रुपये के चैक दिये लेकिन ई एस आई तथा पी एफ राशि 14-16 हजार रुपये तनखा के हिसाब से काटी। वैसे, दिल्ली सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन अक्टूबर 2015 में 9178-10,140-11,154 रुपये और अक्टूबर 2016 में 9568-10,582-11,662 रुपये अकुशल-अर्ध कुशल-कुशल श्रमिक के लिये थे।

25, 26, और 28 वर्ष से इन्टरव्यू फैशन फैक्ट्री में काम कर रहे तीन मजदूर सरकार द्वारा, सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन लागू करने के बारे में बातचीत करने मैनेजिंग डायरेक्टर के पास दो-तीन बार गये। साहब तब तो कुछ नहीं बोले थे लेकिन फिर एक-एक करके उन तीनों को नौकरी से निकाल दिया।

इन्टरव्यू फैशन मैनेजमेन्ट का रिवाज रहा है कि निकालने पर मजदूर का जो बनता है उसका आधा ही देती है। लेकिन, इधर एक-एक कर निकाले इन तीन मजदूरों के साथ वरकरों ने मैनेजमेन्ट को यह नहीं करने दिया। निकालने के समय सब मजदूर, पौने दो सौ वरकर मैनेजमेन्ट के पास गये तो निकाले वरकरों का कानून अनुसार जो बनता था वह उन्हें दिया गया।

फिर दिसम्बर में पौने दो सौ मजदूरों ने तीन बार तनखा के बारे में हँगामा किया। पहली बार साहब बोले कि तनखा बढाने की कोशिश कर रहे हैं। फिर बोले कि 500 रुपये बढायेंगे। फिर बोले कि खींच-खाँच कर 1000 रुपये बढायेंगे, इससे ज्यादा नहीं, जहाँ जाना है जाओ। लेकिन मजदूरों में दो-चार ने आगे होना बन्द कर दिया था। वरकरों ने दो-चार को आगे करना बन्द कर दिया था और पौने दो सौ मजदूर मिल कर हलचल करने लगे थे। पुचकारने के लिये कोई नहीं दिखने से कम्पनी परेशान हुई। हमला करने के लिये टारगेट नहीं मिलने से डराने में मैनेजमेन्ट फेल होने लगी। कम्पनी ने फूट डालने के लिये सैम्पलिंग टेलरों को अलग से 2000-2500 रुपये देने की बातें की लेकिन सैम्पलिंग वरकर तैयार नहीं हुये।

इधर 3 जनवरी को सुबह 11 बजे के टी-ब्रेक में सब वरकर मैनेजमेन्ट के पास गये। फिर लन्च-ब्रेक के बाद दो बजे से साढे चार बजे के दौरान पौने दो सौ मजदूर मैनेजमेन्ट के पास एकत्र। इन्टरव्यू फैशन वरकरों में 4 जनवरी को भी 3 जनवरी की तरह करने की चर्चा।

यह कैसे बोलें और कैसे नहीं बोलें बढिया है। वैसे, मजदूर हजारों में हो जाते हैं तब चटकीले रंगों में बोलना उभरता है। और, लाखों में मजदूरों का होना धरातल बदलने की दस्तक लिये होता है।

अंश और पूर्ण

अंश द्वारा पूर्ण पर प्रभुत्व के प्रयास जब सफल होने लगते हैं तब स्थितियाँ अत्यन्त गम्भीर बनने लगती हैं।

अन्य प्रजातियों की ही तरह मानव प्रजाति दीर्घ काल से प्रकृति पर प्रभुत्व के लिये प्रयासरत रही है। कुछ हजार वर्ष पहले इस सन्दर्भ में मानव समूहों में और व्यक्तियों में एक-दूसरे पर प्रभुत्व का अत्यन्त दुखदायी सिलसिला भी आरम्भ हुआ।

सम्पूर्ण पर मानव प्रजाति के प्रभुत्व के प्रयास 1970 में इलेक्ट्रोनिक्स के उत्पादन प्रक्रिया में प्रवेश के साथ अत्यन्त तीव्र गति से बढे हैं। इन दो सौ वर्षों में भाप-कोयला, इन्टरनल कम्बसचन इंजन, बिजली द्वारा प्रदत छलाँगो के पश्चात उत्पादक शक्तियों में इलेक्ट्रोनिक्स के जरिये आई अतुलनीय छलाँग ने मानव प्रजाति के चौतरफा प्रभुत्व को मूर्त रूप देते जाने के संग-संग पृथ्वी पर जीवन को अधिकाधिक दाँव पर लगाने की प्रक्रिया आरम्भ कर दी है।

व्हाट्सएप पर

— मौत तक चैन नहीं जिन्दगी भर
क्या नौकर, क्या मालिक, क्या सूफी, क्या साधु , क्या सिपाही, क्या एक्टिविस्ट — सब की रेल बनी हुई है, काम काम

— नकारात्मकता का खूब बयान है यह। लिपिबद्ध/मूर्त होने/करने के कारण दुख-दर्द इतना दिखाई देता है कि जीवन निरर्थक करार दिया जा सकता है।

जबकि जीवन का आनन्द सर्वव्यापी लगता है। जीवन का उल्लास ढेरों नकारात्मकताओं के बावजूद जीवन को, जीवन की जीवन्तता को बनाये रख रहा लगता है।

असहाय होण्डा

मण्डी के तूफानी समन्दर में कम्पनियाँ कागज की नाव हैं

आई एम टी मानेसर में प्लॉट 1 सैक्टर-3 स्थित होण्डा मोटरसाइकिल एण्ड स्कूटर फैक्ट्री 23 दिसम्बर से 3 जनवरी तक मेन्टेनैन्स शट डाउन के बाद 4 जनवरी को खुली। और, 4 जनवरी को ही फैक्ट्री में **सूचना** : '' ...... ऑटोमोबिल मार्केट की खराब स्थिति को मद्देनजर रखते हुये कम्पनी का प्रोडक्शन वोल्युम बहुत कम हो गया है, जिसमें अगले कुछ समय के लिये सुधार के कोई आसार नहीं हैं। जिसके चलते कम्पनी के दिशा निर्देशों के अनुसार...'' करीब 500 वरकरों को दो-ढाई महीने का ब्रेक दे कर 4 से 10 जनवरी के दौरान बाहर करना। यह सब पुराने टेम्परेरी वरकर हैं, आठ-दस वर्ष से काम कर रहे भी इनमें हैं।

मण्डी में माँग की कमी के कारण उत्पादन घटा कर नवम्बर में दिवाली के समय भी होण्डा कम्पनी ने इस फैक्ट्री में एक वर्ष से काम कर रहे 4-500 टेम्परेरी वरकर निकाले थे।

होण्डा फक्ट्रियों में प्रोडक्शन का अधिकतर काम ठेकेदार कम्पनियों के जरिये रखे मजदूर करते हैं।

इस बार की सूचना में यह भी लिखा है : ''इस ब्रेक का आपके सीनियरटी पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।'' लेकिन इस ब्रेक, इस ले ऑफ की मजदूरों को आधी तनखा की चर्चा तक होण्डा कम्पनी ने नहीं की है।

बड़ा आर्डर : फरीदाबाद में 20/3 मथुरा रोड़ (नोरदर्न इण्डिया कॉम्पलैक्स) स्थित **हरियाणा ग्लोबल लिमिटेड** को बड़ा आर्डर मिला है। और, मैनेजमेन्ट ने फैक्ट्री में मजदूरों द्वारा प्रतिदिन 14 घण्टे ड्युटी अनिवार्य कर दी है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं सम्पादक शेर सिंह के लिए रौनिजा प्रिन्टर्स फरीदाबाद से मुद्रित किया। RN 42233
सौरभ लेजर टाइपसैटर्स, बी—551 नेहरु ग्राउंड, फरीदाबाद द्वारा टाइपसैट।